Postal Registration No. VAL/092/2014-16

संघप्रदेश दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सवेरा इंडिया टाइम्स

इस बार आईपीएल मेगा नीलामी में उतरेंगे स्मिथ 7 | राजभाषा होने के साथ साथ विश्व में भारतीयता की पहचान भी है हिंदी - डॉ नितेन्द्र पाठक 2

● संपादक : सतीश शर्मा ● सहायक संपादक : देवेश कटारा ● वर्ष : 24 ● अंक : 172 ● दमण ● 10 सितंबर 2024, मंगलवार ● पृष्ठ : 8 ● RNI Reg. No.DDHIN/2000/2588 ● मूल्य : 5 रुपए

सीएसआईआर-सीरी में हिंदी सप्ताह 2024 का शुभारंभ

राजभाषा होने के साथ साथ विश्व में भारतीयता की पहचान भी है हिंदी - डॉ नितेन्द्र पाठक

पिलानी। सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में हिंदी सप्ताह का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर श्रीमती इंद्रमणि मंडेलिया महाविद्यालय, पिलानी के कला संकाय के विभागाध्यक्ष डॉ नितेन्द्र पाठक मुख्य अतिथि थे। डॉ पाठक ने भारत एवं वैश्विक परिदृश्य में हिंदी एवं हमारा दायित्व विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया। उन्होंने सभी सीरी कार्मिकों को हिंदी सप्ताह के शुभारंभ पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने साहित्य और इतिहास से उदाहरण देते हुए कहा कि हमें भाषायी नकारात्मकता और हीन भावना से निकलना होगा। उन्होंने कहा कि हिंदी न केवल हमारी राजभाषा है अपितु विश्व में भारत और भारतीयता की पहचान भी है। भारत में शासन व्यवस्था की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मुगलों और अंग्रेजों की लगभग 800 वर्षों की पराधीनता के बावजूद मात्र 70 वर्षों के कम समय में देश ही नहीं विश्व में भी हिंदी की प्रतिष्ठा बढ़ी है। बाजार और अर्थव्यवस्था को भाषा के प्रसार का प्रमुख आधार मानते हुए उन्होंने कहा कि हिंदी और हिंदुस्तान का भविष्य उज्ज्वल है। इस अवसर पर डॉ पाठक ने सुप्रसिद्ध भारतीय ग्रंथ श्रीरामचरितमानस और श्रीमद्भगवद्गीता से उद्धरण देते हुए राष्ट्र के प्रति नागरिकों के दायित्वबोध पर भी प्रकाश डाला। इससे पूर्व परंपरागत रूप से अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शरुआत की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ पी सी पंचारिया ने भी हिंदी सप्ताह के शुभारंभ पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने डॉ पाठक का औपचारिक स्वागत भी किया। उन्होंने गुरुकुल शिक्षा पद्धति में पाठ को दोहराए जाने की व्यवस्था से साम्य स्थापित करते हुए देश में प्रतिवर्ष हिंदी दिवस, सप्ताह, पखवाड़ा आदि मनाए जाने का औचित्य समझाया। उन्होंने देश में आयोजन की व्यापकता को रेखांकित करते हुए कहा कि संभवत: यह विश्व का सबसे बडा आयोजन होगा क्योंकि इस अवधि में देश के सभी केंद्रीय कार्यालयों में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। उन्होंने संस्थान में प्रशासनिक कार्यों में हिंदी के उपयोग की सराहना की । अतिथियों ने इस अवसर पर राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा तैयार की गई वार्षिक पत्रिका - राजभाषा संदर्शिका - के अंक 11 का विमोचन भी किया। पत्रिका प्रकोष्ठ के प्रमुख कार्यों का संकलन है। डॉ पंचारिया ने पारंपरिक रूप से मुख्य अतिथि प्रोफेसर पाठक को संस्थान की ओर से शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इससे पूर्व आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ सुचंदन पाल, मुख्य वैज्ञानिक ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए और सप्ताह पर्यन्त आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने सभी सहकर्मियों विशेषकर नए सहकर्मियों से अधिकाधिक संख्या में प्रतियोगिताओं में सम्मिलित होने का आग्रह किया। इस अवसर पर प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिंदी सप्ताह आयोजन के संयोजक एवं वरिष्ठ हिंदी अधिकारी रमेश बौरा ने आमंत्रित अतिथि एवं सभी उपस्थित सहकर्मियों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समापन समारोह में हिंदी प्रतियोगिताओं एवं प्रोत्साहन योजनाओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।